4/08/2020 Economics (I.A)

(175)

उपरोक्त चित्र में OX - axis पर वस्तु की मात्रा तथा OY - axis पर कुल आय तथा कुल व्यय को दिखाया गया है। चित्र में TR कुल आय की रेखा तथा TC कुल व्यय की रेखा है। कुल आय एवम् कुल व्यय का अन्तर ही शुद्ध एकाधिकारी लाभ होगा। अतः एकाधिकारी अपना मूल्य उस बिन्दु पर निश्चित करेगा जिस पर कुल आय (TR) तथा कुल व्यय (TC) का अन्तर सबसे अधिक है। चित्र से स्पष्ट है कि यह बिन्दु M होगा क्योंकि बिन्दु इसी बिन्दु पर TR तथा TC का अन्तर सबसे अधिक होगा। अर्थात MR के बराबर होगा, जो एकाधिकारी को अधिकतम लाभ की मात्रा है।

Mon 4/08/2020 Economics (I·A)

(176)

B) THEORY OF MRS. ROBINSON :→ Mrs. Robinson के अनुसार, लाभ प्राप्त करने के लिए एकाधिकारी अपना मूल्य उस बिन्दु पर निश्चित करता है जिस बिन्दु पर सीमान्त आय एवम् सीमान्त व्यय एक-दूसरे के बराबर हो जाते है। "वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई के विक्रय से कुल आय में जो वृद्धि होती है, उसे सीमान्त आय कहते है।"

("Marginal revenue is the revenue added to total revenue by selling and additional unit of a commodity.")

"वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई के उत्पादन से कुल व्यय में जो वृद्धि होती है, तो उसे सीमान्त व्यय कहते है।"

("Marginal cost is the addition to the total cost caused by the production of one additional unit of a commodity.") निम्न चित्र में औसत आय एवम् सीमान्त आय को दिखाया गया है -